श्रीः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः
श्रीमान् वेङ्कटनाथार्यः कवितार्किककेसरी।
वेदान्ताचार्यवर्यो मे सन्निधत्तां सदा हृदि॥

श्रीशङ्कराचार्य विरचितं

॥ नारायणस्तोत्रम् ॥

This document has been prepared by*

Sunder Kidambi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness *śrīmad āṇḍavan* of *śrīraṅgam*

*This was typeset using LaTeX and the **skt** font.

श्रीः

॥ नारायणस्तोत्रम् ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

करुणापारावार वरुणालयगम्भीर नारायण॥ १ ॥

नवनीरदसङ्काश कृतकलिकल्मषनाश नारायण॥ २ ॥

यमुनातीरविहार धृतकौस्तुभमणिहार नारायण॥ ३ ॥

पीताम्बरपरिधान सुरकल्याणनिधान नारायण॥ ४ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

मञ्जुलगुञ्जाभूष मायामानुषवेष नारायण॥ ५ ॥

राधाधरमधुरसिक रजनीकरकुलतिलक नारायण॥ ६ ॥

मुरलीगानविनोद वेदस्तुतभूपाद नारायण॥ ७ ॥

वारिजभूषाभरण राजीवरुक्मिणीरमण नारायण॥ ८ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

जलरुहदलनिभनेत्र जगदारम्भकसूत्र नारायण॥ ९ ॥

पातकरजनीसंहार करुणालय मामुद्धर नारायण॥ १० ॥

अघबकक्षयकंसारे केशव कृष्ण मुरारे नारायण॥ ११ ॥

www.prapatti.com

हाटकनिभपीताम्बर अभयं कुरु मे मावर नारायण॥ १२ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

दशरथराजकुमार दानवमदसंहार नारायण॥ १३ ॥

गोवर्धनगिरिरमण गोपीमानसहरण नारायण॥ १४ ॥

सरयूतीरविहार सज्जन ऋषिमन्दार नारायण॥ १५ ॥

विश्वामित्रमखत्र विविधपरासुचरित्र नारायण॥ १६ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

ध्वजवज्राङ्कुशपाद धरणीसुतसहमोद नारायण॥ १७ ॥

जनकसुताप्रतिपाल जय जय संस्मृतिलील नारायण॥ १८ ॥

दशरथवाग्धृतिभार दण्डकवनसञ्चार नारायण॥ १९ ॥

मुष्टिकचाणूरसंहार मुनिमानसविहार नारायण॥ २० ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

वालिनिग्रहशौर्य वरसुग्रीवहितार्य नारायण॥ २१ ॥

मां मुरलीकर धीवर पालय पालय श्रीधर नारायण॥ २२ ॥

जलनिधिबन्धनधीर रावणकण्ठविदार नारायण॥ २३ ॥

ताटकमर्दनराम नटगुणविविधधनाढ्य नारायण॥ २४ ॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

गौतमपत्नीपूजन करुणाघनावलोकन नारायण॥ २५॥

संभ्रमसीताकार साकेतपुरविहार नारायण॥ २६॥

अचलोद्धृतिचञ्चत्कर भक्तानुग्रहतत्पर नारायण॥ २७॥

नैगमगानविनोद रक्षितसुप्रह्लाद नारायण॥ २८॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

नारायण नारायण जय गोविन्द हरे।
नारायण नारायण जय गोपाल हरे॥

॥ इति नारायणस्तोत्रं समाप्तम्॥

www.prapatti.com